भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1261

उत्तर देने की तारीख : सोमवार, 10 फरवरी 2020

21 माघ, 1941 (शक)

'जरूर देखने योग्य भवनों और स्मारकों' की सूची

1261. श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री गजानन कीर्तिकर:
श्री विद्रयुत बरन महतो:
क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) देश में "जरूर देखने योग्य भवनों और स्मारकों" की सूची तैयार कर रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) देश में विश्व धरोहर स्थलों और राष्ट्रीय धोहर स्थलों की श्रेणी के अंतर्गत आने वाली भवनों/स्मारकों की राज्य/संघ राज्यक्षेत्र्-वार सूची क्या है;

(ग) क्या कुछ राज्य सरकारों ने विश्व धोहर स्थल के रूप में कुछ स्मारकों को मान्यता देने के लिए नामांकन हेतु अपने प्रस्ताव भेजे हैं और यदि हां, तो तत्संबंध्ी ब्यौरा क्या है तथा सरकार द्वारा इस संबंध् में क्या कार्रवाई की गई है;

(घ) क्या सरकार ने देश में धोहर भवनों और स्मारकों का नवीनीकरण किया है; और

(ङ) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान धोहर भवन-वार और स्मारक-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस प्रयोजनार्थ कितना व्यय किया गया है?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) भारतीय पुरातत्व सर्वक्षण का ''भारतीय धरोहर अवश्य देखें'' नामक वेब पोर्टल है जिसमें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के इन स्मारकों के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई गई है।

(ख) यूनेस्कों की विश्व धरोहर सूची के संबंध में अंकित राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों/स्थलों की सूची अनुबंध में दी गई है।

(ग) तेलंगाना की सरकार ने विश्व धरोहर सूची में अंकित करने के लिए आलमपुर में समप्पा मंदिर को मान्यता देने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है और कर्नाटक तथा तेलंगाना राज्य सरकारों की ओर से 'दक्कन सल्लनत के किले और स्मारक' के क्रमिक नामांकन के संबंध में प्रस्ताव भेजा है। इन स्मारकों के संबंध में डोजियर विश्व धरोहर केंद्र को प्रस्तुत कर दिया गया है।

(घ) और (ड.) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण राष्ट्रीय महत्व के रूप में घोषित स्मारकों/स्थलों का नियमित रूप से संरक्षण, परिरक्षण तथा वार्षिक अनुरक्षण करता है। पिछले तीन वर्षों के दौरान किया गया व्यय और वर्तमान वर्ष में किया गया प्रावधान निम्नानुसार है:

वित्तीय वर्ष	व्यय/आवंटन (लाख में)
2016-17	30129.37
2017-18	41076.79
2018-19	40502.01
2019-20 (आवंटित)	43560.68

अनुबंध

लोक सभा में दिनांक 10.02.2020 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1261 के भाग (ख) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध

भारत के विश्व विरासत स्थल

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संरक्षणाधीन सांस्कृतिक स्थल

क्रम सं0	स्मारक/स्थल का नाम	राज्य
1.	अजन्ता गुफाएं (1983)	महाराष्ट्र
2.	एलोरा गुफाएं (1983)	महाराष्ट्र
3.	आगरा किला (1983)	उत्तर प्रदेश
4.	ताजमहल (1983)	उत्तर प्रदेश
5.	सूर्य मंदिर, कोणार्क (1984)	ओडीशा
6.	स्मारक समूह, महाबलीपुरम (1984)	तमिलनाडु
7.	चर्च तथा कॉन्वेंट, गोवा (1986)	गोवा
8.	मंदिर समूह, खजुराहो (1986)	मध्य प्रदेश
9.	स्मारक समूह, हम्पी (1986)	कर्नाटक
10	स्मारक समूह, फतेहपुर सीकरी (1986)	उत्तर प्रदेश
11.	मंदिर समूह, पट्टडकल (1987)	कर्नाटक
12.	एलिफेंटा गुफाएं (1987)	महाराष्ट्र
13.	तंजावुर, गंगईकोंडाचोलपुरम और दारासुरम में स्थित महान जीवित चोल मंदिर (1987 और 2004)	तमिलनाडु
14.	बौद्ध स्मारक, सांची (1989)	मध्य प्रदेश
15.	हूमायूं का मकबरा, दिल्ली (1993)	दिल्ली
16.	कुतुब मीनार परिसर, दिल्ली (1993)	दिल्ली
17.	प्रागैतिहासिक शैलाश्रय, भीमबेटका (2003)	मध्य प्रदेश
18.	चम्पानेर - पावागढ़ पुरातत्वीय उद्यान (2004)	गुजरात
19.	लाल किला परिसर, दिल्ली (2007)	दिल्ली
20.	राजस्थान के पहाड़ी किले (चित्तौड़गढ़, कुम्भलगढ़, जैसलमेर तथा रणथम्भौर, आमेर और गगरौन किले) (2013) (आमेर और गगरौन किले राजस्थान राज्य पुरातत्व और संग्रहालय के संरक्षणाधीन हैं।)	राजस्थान
21.	रानी-की-वाव (2014)	गुजरात
22.	नालंदा महाविहार के पुरातत्वीय स्थल, (नालंदा विश्वविद्यालय)/बिहार नालंदा (2016)	